S&T Communication:

1. PROJECT ON COMMUNICATION OF ECO-WASH TECHNOLOGIES TO PREVENT DISEASES IN EARLY AGE AT THE SCHOOL LEVEL IN DISTRICT FATEHPUR".

We all know that germs lurk everywhere and germs can spread rapidly in children, triggering a pandemic flu, colds and other dreadful diseases such as the Hand, Foot, and Mouth Disease (HFMD). But the greatest places, which kids get exposed to germs may surprise us.

As parents, we frown upon these common kid behaviors': picking their noses, biting their nails, putting fingers in their mouths or wiping runny noses with their hands. These habits invite germs and have been proven to be one of the fastest ways to spread infectious diseases. Since we can't realistically protect our kids from exposure to germs, what we can do is to teach them to do a thorough job of hand washing as a first line of defense.

In a recent Child Health Intelligence & Performance (CHIP) Study, it was noted that those who fall sick less frequently and go to school regularly are likely to do much better in exams. They may not only be at an advantage in terms of learning and knowledge but also in terms of cognitive development. The only way to prevent the children from illness is scientific hand washing

APPROVED OBJECTIVES OF THE PROEJCT:

- Development of 20 model Schools,5 villages and 5 municipal mohalla with Eco-Wash Literacy
- To organized a seminar to demonstrate /communicate the Eco-Wash technology at school level for school representative of 20 schools,5 villages and 5 municipal mohalla.
- To organize Essay writings, Poster paintings, Scientific lectures, Dramas Etc. at the schools in their annual functions for increasing maximum awareness among the masses along with school children's.
- S&T Capacity building of people through appropriate Sanitation & hygiene support solutions.
- Development of a reference booklet, technological poster for Eco-wash technologies

INDICATOR (QUANTITATIVE):

- We have successfully organized a district-level seminar & scientific Training of Eco hand wash at Rama Syama Guest House on 30/4/2016 for 30 schools, 5 villages, and 5 mohallas (Wards) representatives.
- 17,522 Nos.of students have been participated and trained at school level workshop.
- Total 700 families around 4000 people have been trained in villages.
- We have run the programme in 22 schools, 5 villages and 5 Mohalla (Wards),in the district Fatehpur
- we have organized 22 no's of poster /scripts/slogans and debate competitions in the participant schools
- Around 91,110 no's of person have been trained.

INDICATOR (QUALITATIVE):

- The knowledge and understanding of Eco-wash S & T have been Increased among the people of district Fatehpur.
- The water bound diseases have been prevented among the children's.
- The Health conditions of children of the district have been improved.

The habit which leads to healthy people has been in practice.
People have become more and more conscious about the Health & hygiene and its consequences, so that they are handling their day to day work scientifically in their routine.

Distt. Level Eco-Hand Wash Workshop

Scientific Training / Demonstration of Hand wash by S.R.Dixit

15. Rama agrahari balika vidyalaya

कानपुर। शनिवार • 30 अप्रैल • 2016
राष्ट्रीय सहारा
फतेहपुर
3

हैंडवॉस की विधि सिखायेंगे विशेषज्ञ

फतेहपुर। जनसेवा आश्रम द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद के सहयोग से ईको हैंडवॉस परियोजना के तहत जनपद के 20 विद्यालयों, 5 गांवों जिनमें एक गांव में 30 घर, नगर पालिका क्षेत्र के 5 मोहल्लों में बच्चों एवं उनके अभिभावकों को वैज्ञानिक विधि से हाथ धोकर जीवाणुओं एवं कीटाणुओं से जनित बीमारियों से बचाव के लिये प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जायेगा। यह कार्यक्रम चार चरणों में होगा। अन्तिम चरण में कार्यशाला के दौरान जिला स्तरीय कार्यक्रम में राष्ट्रीय एवं प्रदेश-जनपद स्तरीय विशेषज्ञ प्रशिक्षण देंगे।

फतेहपुर जागरण
2 | दैनिक जागरण कानपुर, 30 अप्रैल 2016

हैंडवास की वैज्ञानिक विधि सिखाएगा जनसेवा आश्रम

फतेहपुर, जागरण संवाददाता : हैंडवास की वैज्ञानिक पद्धतियों के जरिए आम जनमानस को स्वस्थ्य बनाया जाएगा। जनसेवा आश्रम शहर व गांवों के तीन सौ परिवारों का चयन करके इन्हें हैंडवास के गुर बताएगा। साथ ही जिले के बीस स्कूल भी इस अभियान में शामिल होंगे। तकनीकी प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय विज्ञान और प्रोद्योगिकी संचार परिषद व विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी मंत्रालय ने हरी झंडी दी है।

आश्रम के अन्वेषक संतराम दीक्षित ने बताया कि यह कार्यक्रम चार चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में 20 स्कूलों को चयन के साथ ही पांच गांवों में तीस-तीस परिवार चिन्हित किए जाएंगे। इसी चरण में शहर क्षेत्र के पांच मोहल्लो में 30-30 परिवारों को चयनित किया जाएगा।

दूसरे चरण में कार्यशाला अयोजित कर इन्हें प्रशिक्षण किया जाएगा। तीसरे चरण में चयनित परिवारों को तीन महीने तक हाथ धोने के लिए तरल साबुन उपलब्ध करायी जाएगी। चौथे चरण में स्वच्छता प्रतियोगिता कराकर इनके ज्ञान का परीक्षण लिया जाएगा।

स्वतंत्र भारत
कानपुर, रविवार 1 मई 2016
10
फतेहपुर

कार्यशाला के जरिये हांथ धोने के बताये लाभ

फतेहपुर (नि.सं.)। बच्चों में स्वच्छता का संस्कार विकसित करने एवं निरोगी जीवन सुनिश्चित करने हेतु राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद भारत सरकार के सहयोग से जनसेवा आश्रम द्वारा स्थानीय रामा श्यामा गेस्ट हाउस में इको हैण्डवॉश कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, छात्र, अभिभावक आदि लोगो ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्घाटन जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक ने किया। जिसमें बच्चों को हैण्डवॉश तकनीकि की जानकारी दी गयी एवं अभिभावको से भी बच्चो को संस्कार प्रदान किये जाने की अपील की गयी। कार्यशाला को इण्डियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च नई दिल्ली के डिप्टी डायरेक्टर जनरल डा. एनके पाण्डेय ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में हैण्डवॉश तकनीकि का प्रचार किया जाना अति आवश्यक है। कार्यशाला को डा. अरविन्द मिश्रा, डा. एचएस गौतम, डा. केएन पाण्डेय, संतराम दीक्षित, प्रधानाचार्य बालगोविन्द द्विवेदी, आभा, उमेश गुप्ता आदि लोगो ने सम्बोधित किया।

i next, Kanpur, 1 May 2016
3
@shekharkapur

In brief

कार्यशाला में बताए स्वच्छता के गुर

PIC: I NEXT

FATEHPUR: बच्चों में स्वच्छता का संस्कार विकसित हो और उनका जीवन निरोगी बने. इसके लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिक संचार परिषद के सहयोग से जन सेवा आश्रम द्वारा हैंडवॉश कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में शिक्षक, अभिभावक और स्कूली बच्चों ने हाथ धोने की विधा सीखी और इसे जीवन में उतारने का संकल्प लिया. कार्यक्रम का आगाज करते हुए पीडी डीआरडीए आरके सिंह ने भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता पर बल देते हुए खाने से पहले और शौच के बाद हाथ धोने की प्रवृत्ति को अपनाने की बात कही. कार्यशाला में भारतीय साइंस ब्लागर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. अरविंद मिश्रा, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च आईसीएमआर के डिप्टी डायरेक्टर जनरल केएन पांडेय, चिल्ड्रेन साइंस के समन्वयक डा. एचएस गौतम, प्रधानाचार्य बालगोविंद व जनसेवा आश्रम के संतराम दीक्षित मौजूद रहे.

फतेहपुर
हिन्दुस्तान कानपुर • रविवार • 01 मई 2016 08

कार्यशाला में दिया स्वच्छता का संदेश

फतेहपुर | हिन्दुस्तान संवाद

बच्चों में स्वच्छता का संस्कार विकसित करने एवं निरोगी जीवन सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद के सहयोग से जन सेवा आश्रम द्वारा स्थानीय रामा श्यामा अतिथि गृह में इको हैंडवाश कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निर्देशक ने बच्चों, छात्रों में स्वच्छता के प्रति जागरुकता पर बल दिया।

भारतीय साइंस ब्लागर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डा अरविंद मिश्रा ने बच्चों में स्वच्छता के प्रति चेतना उत्पन्न करने के लिए और उनके संस्कार में समाहित करने के लिए मां बाप एवं अभिभावकों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने स्कूलों में एमडीएम वितरण के पूर्व बच्चों के हाथों को साफ कराया और इको हैंडवाश तकनीक को आजमाने की जरूरत बताई। जन सेवा आश्रम के निर्देशक एवं

इको हैंडवाश कार्यशाला में बच्चों, छात्रों में स्वच्छता के प्रति जागरुक किया गया।

कार्यशाला के सहयोजक श्री संतराम दीक्षित ने पावर प्वाइंट के माध्यम से हैंडवाश तकनीक का प्रदर्शन किया एवं समस्त प्रतिभागियों को स्वयं ज्ञान तकनीक से हाथों को स्वच्छ रखने का प्रैक्टिकल कराया। कहा कि यह एक पहला वर्कशाप है जिसमें सभी ने हाथ धोकर खाना खाया है। इस मौके पर सीपीएस प्रधानाचार्य आभा, जगत नारायण, धर्मराज मिश्रा, प्रियंका, राखिनी सहित विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य व शिक्षक मौजूद रहे।

Eco-wash communication through various news

जनसंदेश टाइम्स
कानपुर, रविवार, 1 मई, 2016
फतेहपुर 4

बच्चों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

कार्यशाला में भाग लेते अतिथि।

12 | दैनिक जागरण कानपुर, 1 मई 2016
फतेहपुर जागरण

हैंडवास कार्यशाला में बताए स्वच्छता के गुर

हैंडवाश तकनीक कार्यशाला को संबोधित करते संतराम दीक्षित।

फतेहपुर: बच्चों में स्वच्छता का संस्कार विकसित हो और उनका जीवन निरोगी बने। इसके लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद के सहयोग से जन सेवा आश्रम द्वारा हैंडवास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में शिक्षक, अभिभावक और स्कूली बच्चों ने हाथ धोने की विधा सीखी और इसे जीवन में उतारने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का आगाज करते हुए पीडी डीआरडीए आरके सिंह ने भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता पर बल देते हुए खाने से पहले और शौच के बाद हाथ धोने की प्रवित्त को अपनाने की बात कही। कार्यशाला में भारतीय साइंस ब्लागर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. अरविंद मिश्रा, इंडियन कौंसिल आफ मेडिकल रिसर्च आईसीएमआर के डिप्टी डायरेक्टर जनरल केपन पांडेय, विल्ट्रेन साइंस के समन्वयक डा. एनएस गौतम, प्रधानाचार्य बालगोविंद व जनसेवा आश्रम के संतराम दीक्षित ने हाथ धोने के वैज्ञानिक तरीकों को बताया।

कानपुर। रविवार • 1 मई • 2016
राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara
4 फतेहपुर

इको-हैंडवास कार्यशाला में स्वच्छता का बताया महत्व

■ फतेहपुर।
सहारा न्यूज ब्यूरो

बच्चों में स्वच्छता की आदत एवं निरोगी जीवन सुनिश्चित करने के लिये एक मैरिज हॉल में इको-हैंडवॉश कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, छात्र एवं अभिभावकों को कार्यशाला के आयोजन का महत्व बताया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन जिला ग्राम विकास अधिकरण परियोजना निदेशक ने करते हुए बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। बताया कि भोजन से पूर्व एवं शौच के उपरान्त हाथों की बेहतर ढंग से सफाई करनी चाहिए साथ ही सभी बच्चों को हाथ भी साफ करवाये। कार्यशाला के सह संयोजक संतराम दीक्षित ने इको-हैंडवॉश तकनीक को अपनाने की जरूरत बतायी। साथ ही अन्य बच्चों को भी इसके प्रति जागरूक करने की जरूरत बतायी।

इस दौरान डा.केपन पांडेय, डा.एनएस गौतम, बाल गोविंद द्विवेदी, जगत नारायण, धर्मराज मिश्र, जीपी मिश्र, रागिनी, आयुषी, प्रियंका, आकांक्षा आदि मौजूद रहीं।

फतेहपुर
हिन्दुस्तान कानपुर • रविवार • 01 मई 2016 08

कार्यशाला में दिया स्वच्छता का संदेश

फतेहपुर | हिन्दुस्तान संवाद

इको हैंडवाश कार्यशाला में बच्चों, छात्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

कानपुर। शनिवार • 30 अप्रैल • 2016 राष्ट्रीय सहारा
3 फतेहपुर

हैंडवॉस की विधि सिखायेंगे विशेषज्ञ

आज कानपुर 1 मई 2016 6 फतेहपुर

कार्यशाला के जरिए स्वच्छता के प्रति अभिभावकों को किया जागरूक

कार्यशाला को सम्बोधित करते वक्ता। छाया-आज

स्वतंत्र भारत
कानपुर, रविवार 1 मई 2016 10
फतेहपुर

कार्यशाला के जरिये हांथ धोने के बताये लाभ